

Facial Palsy

Surendra Yadav

मानोनिय पिय भाईयों शुर्व बहनी, माताज्ञों, भुजों पर महीने पहले लकवे की तकलीक हो गयी

थी. तो सबसे पहले मैं नागरदास रोड पर डा. भरत के पास गया उ-होने भुजों बताया कि आप को लकवा है और यह दवा भी दिया दी दिन उनकी दवा करने के बाद मेरे मन में शांति नहीं छुपी भी इलाज वैसी ही थी. तो मेरे दौर्घट, चलोर भाई ने भुजों कहा की महानगांव में इस विभारी का डाक्टर है, वहां से गोक हो जाओगे मैं वहां गया, वहां डा. डीसूजा के पास एक महिना छलाज किया. फिर उ-होने कहा की अब तुम छिक हो जाओगे अब आने की ख़रूत नहीं है, मैंने कहा डा. मेरा चेहरा अभी भी वैसा ही है, तो उ-होने कहा 10 दिन दवा लेकर बद्द कर मेरे यह अपने आप छिक हो जायेगा, मैंने वैसा ही किया. फिर भी नहीं छिक हुआ. फिर मेरा एक दोस्त सुरेश ने का चल जहां से मैं दवा लेता हुआ वहां पे दिखा मैं उसके साथ उआया ताकिला मेरा सुनील मेहरा के पास उ-होने दिखाया. उ-होने कहा मैं छिक कर दुगा 2 महीने तक दवा किया. भुजों 75 परसेंट आराम हो गया. डा. सुनील इतने अच्छे हैं कि छिक बार मैं नहीं उआया तो वे फोन करके उधे कह आ रहे हैं उनके अन्दर बहुत सारी अच्छाईयां हैं और भरोज से वह आर से पेस आते हैं और वात पुष्टे हैं जिसको इतकलीफ नहीं है.

सुरेश कुमार यादव.

7/2/2009